MAHD-05

December - Examination 2018

MA (Final) Hindi Examination

नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ

Paper - MAHD-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) जयशंकर प्रसाद के किन्हीं दो नाटकों का नामोल्लेख कीजिए।

(ii) गीति नाट्य किसे कहते हैं?

(iii) 'छितवन की छाँह' 'कदम की फूली डाल' जैसे ललित निबन्धों के रचनाकार कौन हैं?

(iv) 'लहरों के राजहंस' के कथानक का सम्बन्ध इतिहास में किससे है?

(v) निर्मल वर्मा के द्वारा रचित किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(vi) 'एक कहानी यह भी' आत्मकथा के रचनाकार कौन हैं?

(vii) रांगेय राघव कृत रिपोर्ताज 'अंधकार' किस संकलन से लिया गया है?

(viii) 'मोरे राम के भीजै मुकुटुवा, लछमन के पटुकवा' जैसे लोकगीत का उल्लेख विद्यानिवास मिश्र ने किस निबन्ध में किया है?

खण्ड – ब $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

इस प्रतीक्षा में एकाएक उसका दर्द ढलती रात में उभर आया और सोचने लगा' आने वाली पीढ़ी पिछली पीढ़ी की ममता की पीड़ा नहीं समझ पाती और पिछली पीढ़ी अपनी संतान के संभावित संकट की कल्पना मात्र से उद्विग्न हो जाती है। मन में यह प्रतीति ही नहीं होती कि अब संतान समर्थ है। बड़ा से बड़ा संकट झेल लेगी।'

3) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

प्रश्न के स्वर से और पूछने के ढंग से मैं एक तरफ बैठा भी तिलमिल गया, प्रेमचन्द भी एक छोटे क्षण के लिए सकते में आ गए थे, लेकिन तुरन्त संभलते हुए उन्होंने संयत स्वर में कहा, ''एक क्यों, मैं तो दोनों पैर कब्र में लटकाये बैठा हूँ फिर भी कहता हूँ कि साधना का बड़ा महत्त्व होता है, ''और बात पूरी करके उन्होंने अपना प्रसिद्ध कह – कहा लगाया जिसकी गूँज आज भी कभी–कभी उनके दोनो बेटों – श्रीपत राय और अमृत राय की हँसी में सुनाई दे जाती है। स्पष्ट था कि इस बीच प्रश्न की बदतमीजी पर उन्होंने पूरी तरह विजय पा ली है।

4) शुक्ल युगीन निबन्धों पर टिप्पणी लिखिए।

5) हिन्दी नाटकों के विकास में जयशंकर प्रसाद के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

6) 'अंधायुग' नाटक की भाषा और प्रतीक विधान पर प्रकाश डालिए।

7) बालमुकुन्द गुप्त के निबन्ध 'एक दुराशा' के प्रतिपाद्य का उल्लेख कीजिए।

8) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''मनुष्य के शरीर के जैसे दक्षिण और बाम दो पक्ष होते हैं, वैसे ही उनके हृदय के भी कोमल और कठोर, मधुर और तीक्ष्ण दो पक्ष हैं और बराबर रहेंगे। काव्यकला की पूरी रमणीयता इन दोनों पक्षों के समन्वय के बीच मंगल या सौंदर्य के विकास में दिखाई देती है।''

7) 'चीड़ों पर चाँदनी' यात्रा वृतान्त की शिल्पगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

8) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''न जाने कितने दुःखो के बीच से होकर उन्होंने यह सुख पाया था। दोनों न जाने कितनी कितनी देर तक बातें करते रहते। एक – दूसरे की आँखों में झाँकते रहते। दफ्तर के मित्रों ने उसे स्त्रैण कहना शुरू किया, लेकिन उसने किसी बात की चिन्ता नहीं की। मिस्त्री पल्ली के लोग पुकारते तभी वह होग्योपैथी का बक्स उठाकर बाहर निकलता था फिर कभी अध्ययन लेखन की प्रेरणा होती तो नयी अनुभूति के साथ साधना में लग जाता, नहीं तो उसका संसार शान्ति में सीमित होकर रह गया था।''

9) महादेवी वर्मा कृत भाभी रेखाचित्र के माध्यम से समाज की विधवाओं की स्थिति की समीक्षा कीजिए।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल कृत 'काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था' निबन्ध की संवेदना व शिल्प का विवेचन कीजिए।

11) 'अशोक के फूल' निबन्ध का प्रतिपाद्य स्पष्ट करते हुए आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबन्ध कला का विवेचन कीजिए।

12) नाटकीय तत्वों के आधार पर मोहन राकेश कृत 'आधे – अधूरे' की समीक्षा कीजिए।

13) 'कथेतर गद्य विधाओं' पर एक लेख लिखिए।